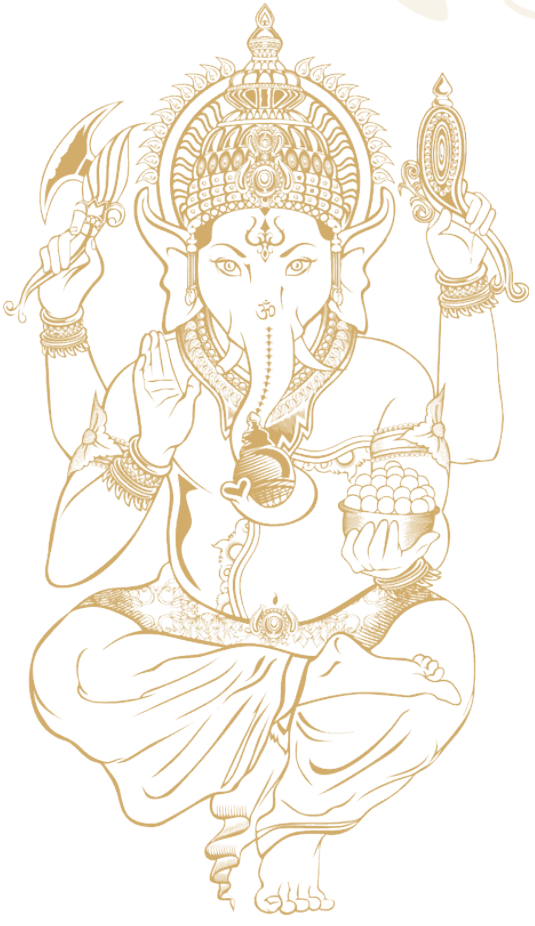

Rajat sharma

Dimpal sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121319502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/12/1993	जन्म तिथि	16-17/09/1998
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 15:27:00	जन्म समय	05:25:48 घंटे
घटी 20:56:30	जन्म समय(घटी)	58:03:04 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Delhi
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:24	सूर्योदय	06:06:24
17:33:42	सूर्यास्त	18:25:19
23:46:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 5मा 9दि	20:17:15	मेष	लग्न	सिंह	20:14:13	बुध 15वर्ष 4मा 12दि
गुरु	23:34:04	वृश्चि	सूर्य	कन्या	00:04:04	शुक्र
20/05/2015	00:06:39	तुला	चंद्र	कर्क	17:56:50	28/01/2021
20/05/2031	28:16:50	वृश्चि	मंगल	कर्क	23:27:02	28/01/2041
गुरु 07/07/2017	09:47:27	वृश्चि	बुध	सिंह	22:20:10	शुक्र 30/05/2024
शनि 18/01/2020	12:05:42	तुला	गुरु व	कुंभ	29:06:09	सूर्य 30/05/2025
बुध 25/04/2022	14:17:46	वृश्चि	शुक्र	सिंह	18:46:53	चन्द्र 29/01/2027
केतु 01/04/2023	01:21:16	कुंभ	शनि व	मेष	08:54:51	मंगल 30/03/2028
शुक्र 30/11/2025	09:13:48	वृश्चि	राहु	सिंह	07:34:58	राहु 31/03/2031
सूर्य 18/09/2026	09:13:48	वृष	केतु	कुंभ	07:34:58	गुरु 29/11/2033
चन्द्र 18/01/2028	26:32:38	धनु	हर्ष व	मक	15:22:50	शनि 28/01/2037
मंगल 24/12/2028	25:52:41	धनु	नेप व	मक	05:42:37	बुध 29/11/2039
राहु 20/05/2031	02:30:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:44:16	केतु 28/01/2041

लग्न-चलित

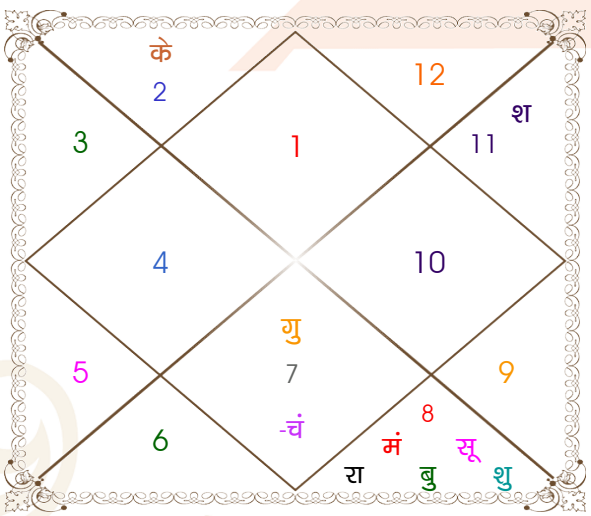

लग्न-चलित

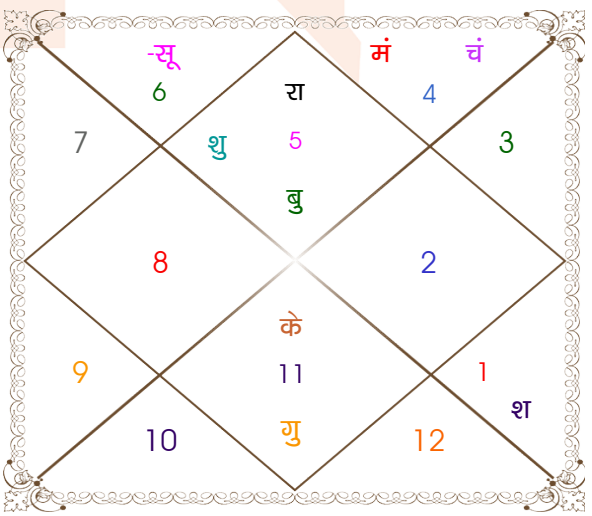

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

त्रंजोतउं का वर्ग मृग है तथा क्पउचंसोतउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रंजोतउं और क्पउचंसोतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रंजोतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल त्रंजोतउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु त्रंजोतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्पउचंसोतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पउचंस ेीतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्पउचंस ेीतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र क्पउचंस ेीतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि त्ंरज ेीतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्ंरज ेीतउं तथा क्पउचंस ेीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।